

## 12. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुवनंतपुरम में बी.टेक. हेतु प्रवेश परीक्षा

भारत सरकार अंतरिक्ष विभाग द्वारा स्थापित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (IIST) तिरुवनंतपुरम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित एक डीम्ड विश्वविद्यालय है, जो अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों के विस्तृत क्षेत्रों में स्नातक/स्नातकोत्तर, डॉक्टरल एवं पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्थान छात्रों को विविध राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवीनतम सुविधाओं की प्राप्ति के लिये अवसर उपलब्ध कराता है। IIST ने छात्रों एवं संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान करने के लिये संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के USRA (यूनिवर्सिटीस स्पेस रिसर्च एशोसियेशन) और कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ समझौता किया है, जिसके तहत चयनित छात्र अपना परियोजना कार्य/प्रशिक्षण अमेरिका में कर सकता है।

**IIST में बीटेक कार्यक्रम** – IIST प्रौद्योगिकी के तीन शाखाओं में बीटेक की उपाधि प्रदान करता है। ये शाखाएँ तथा इनमें वर्ष 2023-24 के लिये उपलब्ध सीटों की संख्या निम्नानुसार है :-

क्र.	शाखा	सीट	अवधि
1.	अंतरिक्ष इंजीनियरी (Aerospace)	75	4 वर्ष
2.	वैमानिकी (Avionics)	75	4 वर्ष
3.	Dual Degree (B.Tech in Engineering Physics + M.S./M.Tech)	24	5 वर्ष

**बीटेक में प्रवेश हेतु आवश्यक अर्हता :-**

- नागरिकता** – केवल भारतीय नागरिक ही IIST में प्रवेश पाने के लिये आवेदन दे सकता है।
- आयु** – प्रवेश वाले वर्ष के 1 अक्टूबर को सामान्य/अपिब आवेदकों की आयु 25 वर्ष से अधिक न हो। अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है।
- शैक्षणिक अर्हता** – सामान्य एवं अपिब के आवेदकों को बारहवीं या समकक्ष परीक्षा भौतिक, रसायन विज्ञान एवं गणित विषय सहित कम से कम 75 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों को कम से कम 65 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) एवं संयुक्त प्रवेश परीक्षा (प्रगत) संबंधी अर्हता** – IIST में बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश के लिये IIT संस्थानों द्वारा आयोजित JEE (Main) तथा JEE (Advance) परीक्षा देना अनिवार्य होता है। JEE (Advance) परीक्षा में आवेदकों को निम्नानुसार न्यूनतम श्रेणीगत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है :-
 

**क. सामान्य आवेदक** – तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 03 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 14 प्रतिशत अंक

**ख. अन्य पिछड़ा वर्ग एवं EWS** – तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 2.7 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 12.6 प्रतिशत अंक

**ग. अजा/अजजा/दिव्यांग** – तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 1.5 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 07 प्रतिशत अंक

**टीप—** आवेदक द्वारा JEE (Advance) परीक्षा में प्राप्त अंकों का प्रयोग केवल IIST में प्रवेश हेतु उसके पात्रता तय करने के लिये ही किया जाता है। इसके आधार पर प्रवेश हेतु वरीयता सूची तैयार नहीं की जाती है।

**IIST आवेदन प्रक्रिया एवं प्रवेश रैंक सूची —** IIST में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों का ऑनलाईन आवेदन पोर्टल admission.iist.ac.in पर करना होता है। केवल ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं। NTA द्वारा JEE (Main) परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार कर प्रकाशित अखिल भारतीय रैंक सूची में (श्रेणी रैंक सहित) आवेदक के स्थान के आधार पर IIST प्रवेश रैंक सूची तैयार की जाती है।

**IIST में वित्तीय सहायता —** जो छात्र बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश पाते हैं, उन्हें IIST द्वारा भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग से प्राप्त निधि में से प्रत्येक सत्रक में एक बार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे शिक्षा के विभिन्न खर्चों की पूर्ति कर सकें। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रत्येक सत्रक रुपये 3 हजार का पुस्तक भत्ता भी प्रदान किया जाता है। IIST में पढ़ाई के दौरान यदि कोई छात्र किसी भी सत्रक में 10 पॉइंट स्केल में से न्यूनतम 7.5 कोटि अंक माध्य प्राप्त करने में असफल रहता है तो अगले सत्रक में उसे वित्तीय सहायता का पूरा धन प्रदान नहीं किया जाता है।

**IIST में कैरियर के अवसर —** IIST से बीटेक करने वाले छात्रों को रिक्त पदों की उपलब्धता के आधार पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) या भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग में वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस सी' के रूप में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। यदि किसी छात्र को नौकरी उपलब्ध कराया जाता है तो उसे वह सेवा कम से कम 3 वर्ष तक करना अनिवार्य होता है। यदि कोई छात्र नौकरी के प्रस्ताव को अस्वीकार करता है तो उसे IIST/अंतरिक्ष विभाग को रु. 10 लाख का भुगतान अनिवार्य रूप से करना होता है, जिसके समय में उपबंध प्रवेश के समय कराया जाता है।

**संपर्क —** इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये अध्यक्ष, बीटेक प्रवेश, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, वलियमला, तिरुवनंतपुरम से संपर्क कर सकते हैं या इसके वेबसाइट admission.iist.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

**सफल लोग दूसरों की मदद के लिये हमेशा अवसर तलाशते रहता है और वहीं असफल लोग कहते हैं "इससे भला मेरा क्या फायदा?"**

**Successful people are always looking for opportunities to help others. Unsuccessful people are always asking, 'Whats in it for me?'**

**- Brian**